अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 97 | श्री विजय पुरम, शनिवार, 11 अप्रैल 2026 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए

81,000 करोड़ रुपये की ग्रेट निकोबार परियोजना : ग्रीनफील्ड तटीय शहर, अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा एवं पर्यटन–मनोरंजन केंद्र के विकास की योजना

पर्यावरण मंत्रालय द्वारा स्वीकृति प्रदान करते समय निर्धारित शर्तों के अनुसार 66.53 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को वृक्ष कटाई निषिद्ध (नो–फेलिंग) क्षेत्र के रूप में आरक्षित रखा जाएगा

ग्रेट निकोबार द्वीप के विकास हेतु पर्यटन को "रीढ़" तथा प्रमुख आर्थिक प्रेरक शक्ति बताते हुए अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह प्रशासन ने एक ग्रीनफील्ड तटीय शहर विकसित करने की रूपरेखा प्रस्तुत की है, जो हवाईअड्डा, ट्रांसशिपमेंट पोर्ट, पर्यटन एवं मनोरंजन केंद्र तथा सहायक सेवा उद्योगों पर आधारित होगा।

द्वीपसमूह के लोक निर्माण विभाग ने "ग्रेट निकोबार द्वीप विकास क्षेत्रद–2047" के प्रारूप मास्टर प्लान पर सुझाव एवं आपत्तियाँ आमंत्रित की हैं, तथा इस संबंध में अधिसूचना जारी किए जाने की जानकारी प्राप्त हुई है। यह प्रारूप मास्टर प्लान मुख्यतः 81,000 करोड़ रुपये की ग्रेट निकोबार वृहत् अवसंरचना परियोजना के एकीकृत टाउनशिप घटक पर केंद्रित है। इस परियोजना के अन्य प्रमुख घटकों में गलाथिया बे में अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा, ट्रांसशिपमेंट पोर्ट, गैस एवं सौर ऊर्जा संयंत्र तथा रक्षा–संबंधी अवसंरचना शामिल हैं, जिनके माध्यम से द्वीप को आर्थिक एवं सामरिक केंद्र के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव है। इसके अंतर्गत कैंपबेल बे से इंदिरा प्वाइंट तक ग्रेट निकोबार के पूर्वी तट के साथ लगभग 35 किलोमीटर लंबा उत्तर–दक्षिण दिशा में विस्तृत एक रैखिक बहु–नोडीय शहरी गलियारा विकसित किया जाना प्रस्तावित है।

परियोजना के समस्त घटकों हेतु आवश्यक कुल 166 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में से सर्वाधिक भाग इस नए ग्रीनफील्ड शहर के लिए निर्धारित किया गया है। इसमें 9.51 वर्ग किमी भूमि होटल, खुदरा व्यापार एवं कार्यालयों सहित मिश्रित उपयोग विकास हेतु, 8.68 वर्ग किमी पार्क एवं खुले स्थान हेतु, 5.95 वर्ग किमी आवासीय उपयोग हेतु तथा 1.12 वर्ग किमी औद्योगिक उपयोग हेतु प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त 3.46 वर्ग किमी कृषि भूमि संरक्षित रखी गई है, जहाँ पारंपरिक नारियल

एवं सुपारी की खेती के साथ इको–रिसॉर्ट एवं फार्म–स्टे की अनुमति का प्रावधान होगा।

पर्यावरण मंत्रालय की शर्तों के अनुरूप 66.53 वर्ग किमी क्षेत्र को वृक्ष कटाई निषिद्ध क्षेत्र के रूप में आरक्षित रखा जाएगा। प्रस्ताव के अनुसार भूमि को चार विकास समूहों तथा दो विशेष आरक्षित क्षेत्रों में विभाजित किया जाएगा। इनमें पर्यटन एवं मनोरंजन समूह, कृषि एवं समुद्री उत्पाद प्रसंस्करण समूह, प्रशासनिक एवं संस्थागत समूह शामिल होंगे। विशेष आरक्षित क्षेत्रों में गलाथिया बे के दक्षिण–पश्चिमी भाग में रक्षा गतिविधियों हेतु क्षेत्र तथा भविष्य विकास क्षेत्र सम्मिलित होंगे, जिन्हें आगे चलकर विकसित किया जाएगा।

विकास क्षेत्र के पश्चिमी, उत्तरी एवं दक्षिण–पश्चिमी भाग मुख्यतः परिवर्तित वन भूमि हैं, जबकि पूर्वी भाग मुख्यतः राजस्व ग्रामों के अंतर्गत आता है। द्वीप की लगभग 8,000 से 8,500 जनसंख्या सात राजस्व ग्रामों–कैंपबेल बे, गोविंद नगर, जोगिंदर नगर, विजय नगर, लक्ष्मी नगर, गांधी नगर एवं शास्त्री नगर–में निवास करती है। सड़क विकास योजना के अंतर्गत एक नई मुख्य सड़क प्रस्तावित की गई है।

आर्थिक विकास को बढ़ावा देने हेतु पर्यटन एवं मनोरंजन केंद्र, बंदरगाह–सम्बद्ध वित्तीय केंद्र, योग, प्राकृतिक चिकित्सा एवं आयुर्वेद को प्रोत्साहन देने हेतु वेलनेस हब तथा नॉलेज हब स्थापित करने की परिकल्पना की गई है। बंदरगाह–संबद्ध वित्तीय गतिविधियों के पूरक के रूप में वित्तीय केंद्र के विकास हेतु सिंगापुर, बुसान, दुबई एवं हांगकांग को संदर्भ मॉडल के रूप में उद्धृत किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, "बंदरगाह गतिविधियों को समर्थन देने तथा आने वाली आबादी की वित्तीय सेवा आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु बैंकिंग एवं बीमा सेवाओं की स्थापना आवश्यक होगी।"

पर्यटन आगमन में उल्लेखनीय वृद्धि का अनुमान व्यक्त किया गया है, जिसके अनुसार वार्षिक पर्यटक संख्या 2029 में 98,000 से बढ़कर 2047 तक 7.35 लाख तथा 2055 तक 10 लाख से अधिक हो सकती है। इसके अनुरूप पर्यटकों के आवास हेतु प्रारूप योजना में छह समुद्र तटों के किनारे रिसॉर्ट समूह एवं बीचफ्रंट विकास प्रस्तावित हैं, जिनमें प्रस्तावित हवाईअड्डे के निकट छह किलोमीटर लंबा सतत समुद्र तटीय क्षेत्र भी शामिल है। इसके अतिरिक्त गेमिंग एवं मनोरंजन केंद्र, वेलनेस रिट्रीट, इको–टूरिज़्म ट्रेल्स तथा सामुदायिक होम–स्टे भी प्रस्तावित किए गए हैं। (स्रोत: **https://indianexpress.com/**)

भारत में प्रमुख सर्फिंग गंतव्य के रूप में द्वीपसमूह की बढ़ती प्रतिष्ठा और सुदृढ़ हुई

लिटिल अण्डमान प्रो 2026 में रोमांचक प्रतिस्पर्धाओं के साथ उमड़ा उत्साह

लिटिल अंडमान, 10 अप्रैल

अण्डमान तथा निकोबार पर्यटन द्वारा सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय स्तर की सर्फिंग चैम्पियनशिप 'लिटिल अण्डमान प्रो 2026' का प्रथम संस्करण, जो 9 अप्रैल से लिटिल अण्डमान के निर्मल जलक्षेत्र में प्रारंभ हुआ, उत्साहपूर्ण सहभागिता का साक्षी बन रहा है। प्रतियोगिता के दूसरे दिन दर्शकों की प्रभावशाली उपस्थिति रही, जहाँ बड़ी संख्या में लोग रोमांचक सर्फिंग मुकाबलों को देखने हेतु तटों पर उमड़ पड़े। इससे भारत में प्रमुख सर्फिंग गंतव्य के रूप में द्वीपसमूह की बढ़ती प्रतिष्ठा और सुदृढ़ हुई है।

इस आयोजन में अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों सहित लगभग 86 सर्फरों ने भाग लिया, जो पुरुष ओपन सर्फिंग शॉर्टबोर्ड, महिला ओपन सर्फिंग शॉर्टबोर्ड, पुरुष ओपन स्टैंड–अप पैडलबोर्ड (एसयूपी) तथा महिला ओपन स्टैंड–अप पैडलबोर्ड (एसयूपी) जैसी विभिन्न श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

पुरुष ओपन सर्फिंग–राउंड 1 में शिवराज बाबू ने 15.17 अंक (11.1 के अंतर से जीत) प्राप्त कर शानदार प्रदर्शन किया। किशोर कुमार ने 15.00 अंक (7.97 के अंतर से जीत) तथा रमेश बुडिहाल ने 13.67 अंक (7.94 के अंतर से जीत) अर्जित कर अपने–अपने हीट में शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

महिला ओपन सर्फिंग–राउंड 1 में श्रीष्टि सेल्वम ने 9.50 अंक (5.34 के अंतर से जीत) का मजबूत प्रदर्शन किया, जबकि शुगर शांति बनारसे ने 9.63 अंक (6.39 के अंतर से जीत) के साथ अपने हीट में बढ़त बनाते हुए प्रतियोगिता की प्रारंभिक अग्रणी प्रतिभागियों के रूप में उभरकर सामने आईं।

एसयूपी स्प्रिंट पुरुष क्वार्टर फाइनल में सेकर पचाई ने 1:04.70 मिनट का सर्वश्रेष्ठ समय दर्ज़ किया। उनके पश्चात दिनेश सेल्वमणि ने 1:05.89 तथा सेल्वरासन नागमुथु ने 1:09.19 मिनट का समय दर्ज़ कर अपने–अपने हीट में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

एसयूपी टेक्निकल पुरुष सेमीफाइनल–हीट 1 में राजेश डी ने 6:08.02 मिनट के साथ बढ़त बनाई, जबकि दिनेश सेल्वमणि (6:14.28) एवं सेल्वरासन नागमुथु (6:14.63) ने भी सशक्त प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता के अगले चरण हेतु स्थान सुरक्षित किया। प्रतियोगिता के तीसरे दिन और अधिक रोमांचक मुकाबलों की संभावना है, जिसमें पुरुष ओपन सर्फिंग राउंड 2 एवं राउंड 3 तथा महिला ओपन सर्फिंग क्वार्टर फाइनल मेन बैंक पर आयोजित किए जाएंगे। साथ ही सेकेंडरी बैंक पर एसयूपी स्प्रिंट पुरुष सेमीफाइनल एवं एसयूपी टेक्निकल पुरुष सेमीफाइनल हीट–2 आयोजित होंगे।

खेल, संस्कृति एवं सामुदायिक सहभागिता का अनूठा समन्वय प्रस्तुत करते हुए लिटिल अण्डमान प्रो 2026 भारत के सर्फिंग कैलेंडर में एक महत्वपूर्ण आयोजन बनने की ओर अग्रसर है। चैम्पियनशिप का समापन भव्य पुरस्कार वितरण समारोह एवं लाइव संगीत समारोह के साथ किया जाएगा।

जनगणना 2027 (प्रथम चरण) : अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह

श्री विजय पुरम, 10 अप्रैल

भारत की जनगणना 2027 का प्रथम चरण–मकान सूचीकरण एवं मकान गणना–अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह केंद्र शासित प्रदेश में 1 अप्रैल, 2026 से प्रारंभ हो चुका है, जिसमें आम जनता को विशेष सुविधा के रूप में स्व–गणना **(Self-Enumeration)** की व्यवस्था प्रदान की गई है। इसके पश्चात 16 अप्रैल, 2026 से 15 मई, 2026 तक प्रगणकों द्वारा घर–घर जाकर परिवारों से जानकारी एकत्रित करते हुए मकानसूचीकरण कार्य किया जाएगा। इस बार जनगणना पूर्णतः डिजिटल माध्यम से वेब पोर्टल एवं मोबाइल ऐप्स की सहायता से संपन्न की जाएगी।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार स्व–गणना की अवधि के दौरान परिवार का कोई भी सदस्य **https://se.census.gov.in** पोर्टल पर जाकर स्वयं अपने परिवार का विवरण ऑनलाइन दर्ज़ कर सकता है। स्व–गणना प्रक्रिया पूर्ण करने पर एक विशिष्ट 'स्व–गणना आईडी' उत्पन्न होगी, जिसे सत्यापन एवं प्रमाणीकरण के लिए प्रगणक के घर आने पर उपलब्ध करना अनिवार्य होगा।

स्व–गणना सुविधा सुरक्षित, सरल एवं समय की बचत करने वाली प्रक्रिया है। इसके माध्यम से प्रत्येक परिवार अपने घर बैठे ही अपनी जानकारी प्रस्तुत कर सकता है, जिससे जनगणना कार्यों के समयबद्ध एवं सुचारु संचालन में सहायता मिलती है।

जनगणना कार्य निदेशालय, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह, इस केंद्र शासित प्रदेश के समस्त निवासियों से अपील करता है कि वे इस स्व–गणना सुविधा का अधिकतम उपयोग करें, जो केवल 15 अप्रैल, 2026 तक उपलब्ध है। जनगणना 2027 के प्रथम चरण में सक्रिय भागीदारी राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान है।

द्वीप खाद्य महोत्सव 2026–स्वाद, संस्कृति एवं परंपरा का उत्सव

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं पाक–कला प्रतियोगिताओं हेतु आवेदन आमंत्रित

श्री विजय पुरम, 10 अप्रैल।

पर्यटन विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा पूर्व में की गई घोषणा के अनुसार, "स्वाद, संस्कृति एवं परंपरा का उत्सव" विषय पर आधारित तीन दिवसीय द्वीप खाद्य महोत्सव 2026 का आयोजन 17 से 19 अप्रैल, 2026 तक प्रदर्शनी मैदान (आईटीएफ ग्राउंड), श्री विजय पुरम में किया जाएगा। यह महोत्सव द्वीपसमूह की समृद्ध पाक–विविधता, सांस्कृतिक विरासत एवं पारंपरिक जीवंतता के भव्य उत्सव के रूप में आयोजित किया जा रहा है। दर्शकों के लिए जीवंत, आकर्षक एवं स्मरणीय अनुभव सुनिश्चित करने हेतु विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी। इसके अतिरिक्त, सुरक्षा, संरक्षा एवं उत्तरदायी नागरिकता से संबंधित महत्वपूर्ण एवं उभरते विषयों पर जन–जागरूकता आधारित प्रस्तुतियाँ एवं नाटिकाएँ भी आयोजित की जाएंगी, जिससे आमजन को शिक्षित एवं जागरूक बनाया जा सके तथा द्वीपवासियों के कल्याण में योगदान सुनिश्चित हो। सांस्कृतिक कार्यक्रम तीनों दिन सायं 5 बजे से रात्रि 9 बजे तक आयोजित किए जाएंगे।

द्वीप खाद्य महोत्सव 2026 में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने हेतु प्रतिभाशाली एवं उत्साही व्यक्तियों, सांस्कृतिक संस्थाओं तथा विद्यालय/महाविद्यालयों के विद्यार्थियों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। प्रस्तुतियाँ लोक, पारंपरिक, शास्त्रीय, समकालीन/बॉली–हॉप नृत्य, गायन, नाटिका, कठपुतली शो, वाद्य संगीत (गिटार, बांसुरी आदि), स्वरचित कविता–पाठ, लाइव बैंड तथा कराओके (एकल, युगल एवं समूह प्रस्तुति) श्रेणियों में आमंत्रित हैं। विभाग द्वारा केवल मंच, ध्वनि प्रणाली की व्यवस्था एवं दर्शकों उपलब्ध कराए जाएंगे। सहभागिता पूर्णतः स्वैच्छिक होगी तथा कोई पारिश्रमिक देय नहीं होगा। तथापि, चयनित प्रतिभागियों को उनके योगदान के सम्मानस्वरूप प्रशंसा–चिह्न एवं प्रमाण–पत्र प्रदान किए जाएंगे। इच्छुक प्रतिभागियों को कार्यक्रम का विवरण, कलाकारों की जानकारी, प्रस्तुति की अवधि तथा ऑडियो–विजुअल (एवी) रिकॉर्डिंग प्रस्तुत करनी होगी। चयन प्रस्तुत एवी एवं अन्य विवरणों के आधार पर किया जाएगा, जिसमें प्रस्तुति की गुणवत्ता, रचनात्मकता एवं मौलिकता, महोत्सव की थीम से प्रासंगिकता, समूह समन्वय तथा आधिकारिक सार्वजनिक कार्यक्रम हेतु उपयुक्तता को ध्यान में रखा जाएगा। चयन समिति का निर्णय अंतिम एवं बाध्यकारी होगा।

सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इसके अतिरिक्त, महोत्सव के

शेष पृष्ठ 4 पर

पोषण पखवाड़ा 2026 : विविध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

श्री विजय पुरम, 10 अप्रैल

समाज कल्याण निदेशालय के अंतर्गत आईसीडीएस शहरी परियोजना द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्र फॉरेस्ट क्लब–1 में पोषण पखवाड़ा 2026 सक्रिय रूप से मनाया जा रहा है, जिसका मुख्य विषय "जीवन के प्रथम छह वर्षों में मस्तिष्क विकास को अधिकतम करना" है। इस अभियान के माध्यम से प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं पोषण के अत्यंत महत्वपूर्ण महत्व पर विशेष बल दिया जा रहा है।

इस पहल के अंतर्गत यह

रेखांकित किया जा रहा है कि जीवन के प्रथम छह वर्ष संज्ञानात्मक, भावनात्मक एवं शारीरिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। मस्तिष्क के समुचित विकास को सुनिश्चित करने हेतु उचित पोषण, संवेदनशील देखभाल, प्रारंभिक शिक्षण तथा सुरक्षित एवं पोषणकारी वातावरण पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

शेष पृष्ठ 4 पर

'डीब्राइट' में पांच दिवसीय आईडीई बूटकैंप 2026 सम्पन्न

श्री विजय पुरम, 10 अप्रैल

डॉ. बी. आर. अंबेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान (डीब्राइट) में आयोजित पाँच दिवसीय आईडीई बूटकैंप 2026 का आज समापन हुआ, जिसमें नवाचारी विचारों को पंजीकृत स्टार्टअप एवं व्यवहार्य उद्यमों में परिवर्तित करने का सशक्त आह्वान किया गया।

शेष पृष्ठ 4 पर

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं पाक–कला

पृष्ठ 1 का शेष

अंतर्गत "बिना आग के पकवान:पोषणयुक्त जीवन की ओर एक यात्रा" विषय पर पाक–कला प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिताओं का कार्यक्रम निम्नानुसार है:

तिथि	प्रतियोगिता	विवरण	टिप्पणियां
17 अप्रैल, 2026	रिफ्रेश एंड रिवाइव –आइलैंड वेलकम ड्रिंक्स	आम, नारियल आदि स्थानीय उत्पादों का उपयोग	• प्रतिभागियों को अपना कच्चा माल/सामग्री/बर्तन आदि स्वयं लाने होंगे। • प्रतिभागियों को अपने व्यंजन को उसके नाम एवं संक्षिप्त विवरण सहित प्रस्तुत करना होगा। • प्रतियोगिता पूर्णतः "बिना आग के पकवान" सिद्धांत पर आधारित होगी तथा किसी भी प्रकार के हीटिंग उपकरण की अनुमति नहीं होगी। • प्रतिभागियों को पंजीकरण हेतु कार्यक्रम प्रारंभ होने से 1 घंटा पूर्व उपस्थित होना होगा। • केवल पूर्व–पकाई गई, तत्पर–सेवन योग्य अथवा कच्ची सामग्री का ही उपयोग किया जा सकेगा। • प्रतिभागियों को अपनी सामग्री एवं बर्तन स्वयं लाने होंगे। • ताज़ी, स्वच्छ एवं स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाता है।
18 अप्रैल, 2026	फल एवं सब्ज़ी तराशना	स्थानीय रूप से उपलब्ध फलों एवं सब्ज़ियों का उपयोग	
19 अप्रैल, 2026	थीम आधारित केक सजावट	विषयः द्वीप खाद्य महोत्सव–स्वाद, संस्कृति एवं परंपरा का उत्सव	

निर्णयन के मानदंडों में रचनात्मकता एवं नवाचार, स्वाद एवं महक, प्रस्तुति, स्वच्छता तथा विषयवस्तु के अनुरूपता शामिल होंगे। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पर्यटन विभाग द्वारा उपयुक्त पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। यह महोत्सव प्रतिभागियों को पहचान दिलाने तथा स्थानीय कला, संस्कृति एवं स्वास्थ्यवर्धक पाक परंपराओं के प्रोत्साहन हेतु एक प्रतिष्ठित मंच प्रदान करेगा। पाक–कला प्रतियोगिता से संबंधित पूछताछ/प्रविष्टियाँ एवं विस्तृत जानकारी हेतु श्रीमती अनिला एक्का, एचसी, सूचना, प्रचार एवं पर्यटन, मोबाइल नं. 9474217630 अथवा श्रीमती रेशमा, सलाहकार, ग्रामीण विकास विभाग, मोबाइल नं. 7063970389 से संपर्क किया जा सकता है। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों हेतु प्रविष्टियाँ आधिकारिक ई–मेल आईडी **andamantourismgh@gmail.com** पर भेजी जा सकती हैं अथवा कार्यालय समय के दौरान श्री चंदर राव, एचके सहायक प्रबंधक, मोबाइल नं. 9933260324 से संपर्क किया जा सकता है। सभी प्रविष्टियाँ 15 अप्रैल, 2026 को शाम 4 बजे तक अनिवार्यतः प्रेषित की जानी चाहिए।

पोषण पखवाड़ा 2026 : विविध जागरूकता

पृष्ठ 1 का शेष

समुदाय, विशेषकर पुरुषों के बीच पोषण, प्रारंभिक उत्तेजना एवं समग्र बाल विकास के महत्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने हेतु कल आंगनवाड़ी केन्द्र फॉरेस्ट क्लब–1, हैडो में उद्घाटन सत्र के दौरान रैली आयोजित की गई। इसी क्रम में आज आंगनवाड़ी केन्द्रों, डेयरी फार्म–10, अनारकली–2 एवं साउथ पॉइंट–2 में पाक–कला प्रतियोगिताएँ एवं स्तनपान जागरूकता सत्र आयोजित किए गए। कार्यक्रम में सीडीपीओ, आईसीडीएस शहरी परियोजना, होप फाउंडेशन, मुख्य सेविकाएँ, एएनएम, पोषण स्टाफ, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा आमजन उपस्थित रहे।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार स्थानीय रूप से उपलब्ध पौष्टिक खाद्य पदार्थों के उपयोग को बढ़ावा देने तथा समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु पाक–कला प्रतियोगिता एवं संवादात्मक सत्र सहित समुदाय–आधारित कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ), शहरी परियोजना ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए पोषण पखवाड़ा के महत्व पर प्रकाश डाला।

'डीब्राइट' में पांच दिवसीय आईडीई बूटकैंप

पृष्ठ 1 का शेष

समापन समारोह को संबोधित करते हुए उद्योग विभाग के उप निदेशक श्री अजीत आनंद ने कहा कि यह बूटकैंप उद्यमिता की यात्रा की केवल शुरुआत है तथा प्रतिभागियों से अपने विचारों को वास्तविक उद्यमों में परिवर्तित करने का आग्रह किया। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री के "लोकल फॉर वोकल" एवं आत्मनिर्भरता के दृष्टिकोण पर बल देते हुए विद्यार्थियों को स्थानीय चुनौतियों एवं संसाधनों के आधार पर समाधान विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार शिक्षा मंत्रालय इनोवेशन सेल के इनोवेशन अधिकारी श्री सरीम मोइन ने बूटकैंप से प्राप्त प्रमुख शिक्षाओं का सार प्रस्तुत किया, जिनमें डिज़ाइन थिंकिंग, स्टार्टअप विकास तथा बौद्धिक संपदा जागरूकता शामिल रही। उन्होंने प्रतिभागियों को राष्ट्रीय पहलों का लाभ उठाने हेतु प्रोत्साहित किया, जिनमें स्टूडेंट स्टार्टअप एंड इनोवेशन पॉलिसी (एसएसआईपी) के अंतर्गत 10 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता, युक्ति (ज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार के माध्यम से कोविड से मुकाबला करता युवा भारत) योजना, आगामी शिक्षा मंत्रालय निवेशक नेटवर्क तथा पेटेंट सहायता हेतु कपिला योजना शामिल हैं।

वाधवानी फाउंडेशन की इनोवेशन वेंचर कैटेलिस्ट एवं डिज़ाइन थिंकिंग विशेषज्ञ श्रीमती अंबुमति ने प्रतिभागियों के उत्साह एवं नवाचारी भावना की सराहना की। उन्होंने कहा कि द्वीपों की भौगोलिक एवं अवसंरचनात्मक चुनौतियों के बावजूद विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय दृढ़ता एवं रचनात्मकता का परिचय दिया, जो पिचिंग सत्रों के दौरान प्रस्तुत विचारों की गुणवत्ता में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ। अंतिम दिवस पर छात्र टीमों द्वारा 25 नवाचारी विचारों की प्रस्तुति (पिचिंग) की गई, जिनका मूल्यांकन विभिन्न क्षेत्रों से आए स्टार्टअप एवं उद्यमिता विशेषज्ञों के पैनल द्वारा किया गया। बूटकैंप की संयोजक डॉ. श्राबोनी मलिक ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

एसवीपीएमसी द्वारा अस्थायी जलापूर्ति कार्यक्रम जारी

श्री विजय पुरम, 10 अप्रैल

श्री विजय पुरम नगरपालिका परिषद (एसवीपीएमसी) द्वारा नगर के लिए उपलब्ध जल संसाधनों के समतामूलक वितरण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अस्थायी जलापूर्ति कार्यक्रम जारी किया गया है। सामान्य जन से अनुरोध किया गया है कि वे निर्धारित कार्यक्रम का संज्ञान लें तथा उसी अनुसार अपने जल उपयोग की योजना बनाएं। विस्तृत कार्यक्रम एसवीपीएमसी की आधिकारिक वेबसाइट **https://pbmc.gov.in/files?id=1054** पर उपलब्ध है तथा क्यूआर कोड स्कैन कर भी देखा जा सकता है।

विश्व होम्योपैथी दिवस : चावरा द्वीप में 'स्वस्थ शिशु एवं प्रसन्न माता शो' आयोजित

श्री विजय पुरम, 10 अप्रैल

विश्व होम्योपैथी दिवस 2026 के अवसर पर 8 अप्रैल को दक्षिणी द्वीपसमूह के चावरा द्वीप में पहली बार 'स्वस्थ शिशु एवं प्रसन्न माता शो' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का सफल आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, ननकौड़ी की आयुष इकाई के अंतर्गत डॉ. शबनम सलीम, चिकित्सा अधिकारी (होम्योपैथी) द्वारा डॉ. (लेफ्टिनेंट कर्नल) निर्मल कुमार बाजपेयी, चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, ननकौड़ी के पर्यवेक्षण में किया गया।

कार्यक्रम दो श्रेणियों–0 से 1 वर्ष एवं 2 से 5 वर्ष–में आयोजित किया गया। विजेताओं को जनजातीय परिषद, चावरा के सचिव श्री हिलेरी द्वारा नगद पुरस्कार प्रदान किए गए। 0–1 वर्ष श्रेणी के विजेताओं में प्रथम पुरस्कार–बेंजामिन हैरी, पुत्र श्री बेसिल, द्वितीय पुरस्कार–एफ. एन. क्रिस्पिन जे, पुत्र श्री नेहेमियाह, तृतीय पुरस्कार–आइवरी बी. वी. जी., पुत्री श्री एली, 2–5 वर्ष श्रेणी के विजेताओं में प्रथम पुरस्कार–क्रिस्टेनस, पुत्र श्री क्रिस्पैनस, द्वितीय पुरस्कार–जैस्मिन, पुत्री श्री जोसेफ, तृतीय पुरस्कार–क्लैडिसिया, पुत्री श्री थॉमस शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, ग्रामीणों के लाभार्थ 9 अप्रैल, 2026 को चावरा द्वीप में आउटरीच होम्योपैथी स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया।

जेएनआरएम में पूर्व छात्र एवं स्टार्टअप संस्थापक द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

श्री विजय पुरम, 10 अप्रैल

जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय (जेएनआरएम), श्री विजय पुरम में संस्थान नवाचार परिषद (आईआईसी) द्वारा विद्यार्थियों में उद्यमशील सोच को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से "फ्रॉम स्टूडेंट टू स्टार्टअप फाउंडर" विषय पर ज्ञानवर्धक विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन संबोधन डॉ. पर्ल देवदास, प्राचार्या, जेएनआरएम द्वारा दिया गया। उन्होंने विद्यार्थियों में उद्यमिता संबंधी विचारों को प्रेरित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

विशेषज्ञ व्याख्यान जेएनआरएम के पूर्व छात्र एवं उभरते उद्यमी श्री अंकुश दास द्वारा प्रस्तुत किया गया, जो समुद्री–प्रौद्योगिकी आधारित स्टार्टअप–वीवाईएएसएन से जुड़े हैं तथा सतत समुद्री शैवाल पारिस्थितिकी तंत्र के विकास पर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने किसानों की आय अस्थिरता जैसी वास्तविक चुनौतियों पर चर्चा करते हुए समुद्री शैवाल की खेती को आर्थिक स्थिरता एवं जलवायु स्थिरता हेतु एक व्यवहार्य समाधान बताया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार व्याख्यान के दौरान श्री दास ने स्टार्टअप की मूल अवधारणा स्पष्ट करते हुए बताया कि स्टार्टअप ऐसे नवोन्मेषी एवं तीव्र–विकासशील उपक्रम होते हैं जो विशिष्ट समस्याओं का समाधान करने हेतु स्थापित किए जाते हैं। उन्होंने पारंपरिक व्यवसाय एवं स्टार्टअप के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए नवाचार एवं विस्तार क्षमता पर विशेष बल दिया। विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि अण्डमान का अगला स्टार्टअप इसी कक्ष से निकल सकता है। छोटा शुरू करें, बड़ा सोचें, अभी कार्य करें। यह सत्र अत्यंत संवादात्मक रहा तथा विद्यार्थियों को उद्यमिता को कॅरियर विकल्प के रूप में अपनाने हेतु प्रेरित किया।

ओरलकच्छा स्कूल में अग्नि एवं भूकंप सुरक्षा अभ्यास हुआ

मायाबंदर, 10 अप्रैल

स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत फायर स्टेशन, बाराटांग के अग्निशमन कर्मियों द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, ओरलकच्छा में भूकंप एवं अग्नि सुरक्षा पर मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इस अभ्यास में विद्यार्थियों एवं स्टाफ सहित कुल 254 प्रतिभागियों ने भाग लिया। अभ्यास के दौरान प्रतिभागियों को रेस व पास तकनीकों सहित आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रोटोकॉल की जानकारी दी गई। एक काल्पनिक भूकंप चेतावनी के पश्चात अग्नि निकासी अभ्यास कराया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने "डक–कवर–होल्ड" प्रक्रिया का अभ्यास किया तथा सुरक्षित रूप से निर्धारित एकत्रीकरण स्थल तक पहुंचे। अग्निशमन कर्मियों द्वारा पोर्टेबल अग्निशामकों के उपयोग का प्रदर्शन भी किया गया तथा विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम का समापन अग्नि सुरक्षा एवं आपदा तैयारी पर एक संवादात्मक सत्र के साथ हुआ।

फरारगंज में शुरू हुआ 8वां पोषण पखवाड़ा

श्री विजय पुरम, 10 अप्रैल

समाज कल्याण निदेशालय के अंतर्गत आईसीडीएस परियोजना, फरारगंज द्वारा 8वें पोषण पखवाड़ा 2026 का उद्घाटन हटबे स्थित ओंगी टेकरी कम्युनिटी हॉल में समुदाय, अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं एवं अधिकारियों की सक्रिय सहभागिता के साथ किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित समाज कल्याण निदेशालय की कार्यक्रम अधिकारी, आईसीडीएस, श्रीमती ज़रीना बीबी ने महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य और कल्याण हेतु पोषण जागरूकता तथा सामुदायिक सहभागिता के महत्व पर बल दिया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार डॉ. सारिका वर्मा ने "बच्चों (0–6 वर्ष) में मस्तिष्क विकास को अधिकतम करना" विषय के अनुरूप प्रारंभिक बाल्यावस्था पोषण, देखभाल एवं संज्ञानात्मक विकास हेतु प्रारंभिक उत्तेजना के महत्व पर ज्ञानवर्धक सत्र प्रस्तुत किया। पोषण पखवाड़ा समारोह के अंतर्गत पोषण जागरूकता, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा तथा सतत् व्यवहारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें फूड रेसिपी प्रतियोगिता (पुरुष सहभागिता), डीआईवाई एवं ईसीसीई प्रदर्शन, मिशन बुनियाद गतिविधियाँ, स्वास्थ्य शिविर तथा वृक्षारोपण अभियान शामिल रहे। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम का समापन श्रीमती अलबक्का, मुख्य सेविका द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

डिगलीपुर में 8वें पोषण पखवाड़ा–2026 का शुभारंभ

डिगलीपुर, 10 अप्रैल

देश के अन्य भागों के साथ–साथ आईसीडीएस परियोजना (ग्रामीण), डिगलीपुर, उत्तर अण्डमान द्वारा कल 8वें पोषण पखवाड़ा–2026 का शुभारंभ "जीवन के प्रथम 6 वर्षों में मस्तिष्क विकास को अधिकतम करना" विषय के साथ किया गया। यह पखवाड़ा–व्यापी अभियान जीवन के प्रथम 1,000 दिनों, मातृ पोषण, विशिष्ट स्तनपान, पूरक आहार पद्धतियों, टीकाकरण, वृद्धि निगरानी तथा प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा के संबंध में व्यापक जन–जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

कल केरलापुरम ग्राम पंचायत के अंतर्गत वीएस पल्ली–3 आंगनवाड़ी केंद्र में आयोजित उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान बाल विकास परियोजना अधिकारी, डिगलीपुर, श्रीमती इंदिरा देवी ने कहा कि जीवन के प्रथम छह वर्षों में उचित पोषण बच्चे के संज्ञानात्मक विकास, शारीरिक वृद्धि एवं भविष्य की अधिगम क्षमता की आधारशिला रखता है। स्वास्थ्य विभाग के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) ने गर्भावस्था के दौरान उचित पोषण, 6 माह तक विशिष्ट स्तनपान, समय पर पूरक आहार, नियमित टीकाकरण तथा वृद्धि निगरानी को प्रत्येक बच्चे के लिए आवश्यक बताया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार आईसीडीएस परियोजना (ग्रामीण), डिगलीपुर के अंतर्गत सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में 9 से 23 अप्रैल तक पोषण जागरूकता शिविर, सामुदायिक बैठकें, गृह भ्रमण, वृद्धि निगरानी सत्र, मातृ बैठकें, पोषण रैलियाँ, रेसिपी प्रदर्शन, स्वास्थ्य जांच शिविर एवं परामर्श सत्र सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विभाग ने सभी समुदाय सदस्यों, पीआरआई प्रतिनिधियों, स्वयं सहायता समूहों, स्वास्थ्य कर्मियों तथा अभिभावकों से पोषण पखवाड़ा गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा स्वस्थ, सुपोषित एवं सशक्त भावी पीढ़ी के निर्माण में योगदान देने की अपील की है।

'एनकॉल' में 'टी–स्किल्स' विषयक सप्ताहीय कार्यशाला हुई

श्री विजय पुरम, 10 अप्रैल

अण्डमान कॉलेज एनकॉल) के अंग्रेजी विभाग द्वारा अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों हेतु "टी–स्किल्स : सॉफ्ट स्किल्स, जीवन कौशल एवं व्यावसायिक दक्षताओं के माध्यम से रोज़गारयोग्यता का निर्माण" विषय पर 4 अप्रैल से 10 अप्रैल, 2026 तक सप्ताहीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यशाला में संप्रेषण कौशल, जीवन कौशल एवं व्यावसायिक दक्षताओं पर आधारित संवादात्मक एवं गतिविधि–आधारित सत्र आयोजित किए गए, जिनसे विद्यार्थियों को सक्रिय सहभागिता, अभ्यास तथा आत्मविश्वास एवं रोज़गारपरक कौशल विकसित करने का अवसर मिला। आज आयोजित समापन सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए कार्यशाला को अत्यंत ज्ञानवर्धक, व्यावहारिक एवं उनके व्यक्तिगत तथा व्यावसायिक विकास हेतु लाभकारी बताया। इस अवसर पर विभिन्न संस्थानों से आए सभी संसाधन व्यक्ति उपस्थित रहे। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार प्राचार्य डॉ. एस. जयकुमार द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र वितरित किए गए।

एमवी रानी लक्ष्मी 12 अप्रैल को लिटिल अण्डमान हेतु प्रस्थान करेगी

श्री विजय पुरम, 10 अप्रैल

यात्रियों/सामान्य जन को सूचित किया जाता है कि जहाज़ एमवी रानी लक्ष्मी 12 अप्रैल 2026 को सुबह 7 बजे फीनिक्स बे जेटी से लिटिल अण्डमान के लिए प्रस्थान करेगा तथा उसी दिन रात्रि 9 बजे लिटिल अण्डमान से श्री विजय पुरम के लिए वापसी करेगा। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार आगामी यात्रा हेतु यात्री टिकट सामान्य जन के लिए 11 अप्रैल, 2026 (शनिवार) को सुबह 9 बजे से जारी किए जाएंगे। टिकट डीएसएस ई–टिकटिंग पोर्टल पर **https://dss.andamannicobar.gov.in/ eticketing** के माध्यम से बुक किए जा सकते हैं। उपयोगकर्ताओं की सुविधा हेतु पोर्टल से सीधे जुड़ने वाला एक क्यूआर कोड भी उपलब्ध कराया गया है। वैकल्पिक रूप से, टिकट स्टार्स टिकटिंग काउंटरों से सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक भी खरीदे जा सकते हैं।

Scan QR Code to open on mobile.

विज्ञान केंद्र में विशेष कार्यक्रम 11 और 12 अप्रैल को

श्री विजय पुरम, 10 अप्रैल

गुडविल एस्टेट, कार्बाइंस कोव रोड, श्री विजय पुरम स्थित विज्ञान केंद्र द्वारा सामान्य आगंतुकों के लिए 11 एवं 12 अप्रैल, 2026 को सायंकालीन समय में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिनका विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	कार्यक्रम	समय
1.	स्काई शो	शाम 5.30 बजे से शाम 7 बजे तक
2.	बबल शो	शाम 6.15 बजे
3.	3डी शो	शाम 5.30 बजे से शाम 6.10 बजे तक

स्काई शो के दौरान आगंतुकों को श्री विजय पुरम के आकाश का स्काई मैप उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वे ग्रहों एवं अन्य खगोलीय पिंडों की पहचान कर सकेंगे। आगंतुकों को शक्तिशाली दूरबीन के माध्यम से ग्रह बृहस्पति तथा उसके प्रसिद्ध उपग्रहों, जिन्हें गैलीलियन चंद्रमा–आयो, यूरोपा, गैनीमीड और कैलिस्टो के नाम से जाना जाता है–का रोमांचक अवलोकन करने का अवसर भी प्राप्त होगा। बबल शो सभी आयु वर्ग के लोगों, विशेषकर बच्चों के लिए तैयार किया गया एक मनोरंजक कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शनकर्ता छोटे बुलबुलों से लेकर विशाल बुलबुलों तक, बच्चों के प्रिय डोरेमॉन बुलबुले, घनाकार (क्यूबिक) बुलबुले, कैटरपिलर बुलबुले, फायर बुलबुले सहित अनेक आकर्षक प्रकार के बुलबुले तैयार कर प्रदर्शित करेंगे।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार स्काई शो एवं बबल शो के लिए प्रवेश शुल्क प्रत्येक कार्यक्रम हेतु 10 रूपए प्रति व्यक्ति निर्धारित किया गया है, जबकि 3डी शो के लिए प्रवेश शुल्क 20 रूपए प्रति व्यक्ति रहेगा।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

साक्ष्य–आधारित शोध एवं सहयोग से होम्योपैथी को वैश्विक स्तर पर और पहचान मिलेगी– केन्द्रीय आयुष मंत्री

नई दिल्ली, 10 अप्रैल।

विश्व होम्योपैथी दिवस पर आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि भारत में शोध, शिक्षा और मजबूत नियामक व्यवस्था के जरिए होम्योपैथी को और विश्वसनीय बनाया जा रहा है। साक्ष्य–आधारित शोध और सहयोग से होम्योपैथी को वैश्विक स्तर पर और पहचान मिलेगी।

आयुष मंत्री श्री प्रतापराव जाधव शुक्रवार को विश्व होम्योपैथी दिवस पर "सस्टेनेबल हेल्थ के लिए होम्योपैथी" थीम के साथ विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर देशभर से नीति–निर्माता, डॉक्टर, शोधकर्ता और छात्र शामिल हुए। इस अवसर पर प्रतापराव जाधव ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में, भारत ने सशक्त संस्थानों और अनुसंधान निकायों के सहयोग से एक मजबूत और विस्तारित होम्योपैथी कार्यबल विकसित किया है। केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद, राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग और एनआईएच जैसे संगठन अनुसंधान, शिक्षा और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा वितरण के माध्यम से होम्योपैथी की वैज्ञानिक नींव, नियामक ढांचे और जनविश्वास को लगातार मजबूत कर रहे हैं, जिससे देश भर में सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सेवा में महत्वपूर्ण योगदान मिल रहा है। उन्होंने उच्च गुणवत्ता वाली, रोगी–केंद्रित स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने के लिए वैज्ञानिक अध्ययनों को बढ़ावा देने, शिक्षा के मानकों में सुधार करने और चिकित्सकों, शोधकर्ताओं और नीति निर्माताओं के बीच मजबूत समन्वय को बढ़ावा देने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और वैश्विक स्वास्थ्य लक्ष्यों के अनुरूप एक समग्र और टिकाऊ स्वास्थ्य सेवा मॉडल को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

इस अवसर पर आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि सरकार आयुष क्षेत्र को मजबूत करने के लिए बुनियादी ढांचे, डिजिटल प्लेटफॉर्म और रिसर्च पर लगातार निवेश कर रही है।

उन्होंने आयुष ग्रिड और हिम्स जैसे डिजिटल प्रयासों का भी उल्लेख किया। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि देश में होम्योपैथी अब एक मुख्यधारा की चिकित्सा प्रणाली बन चुकी है, जिसमें लाखों पंजीकृत चिकित्सक और सैकड़ों शैक्षणिक संस्थान कार्यरत हैं। इस अवसर पर कई महत्वपूर्ण प्रकाशन और पहल लॉन्च की गईं, जिनमें सीसीआरएच का नया लोगो, शोध पत्रिकाएं और एआई आधारित ज्ञान सामग्री शामिल हैं। इसके अलावा, आयुष ग्रिड पर सर्टिफिकेशन कोर्स और हिंदी शब्दकोश वेबसाइट भी शुरू की गई।

शपथ पत्र

मैं, सी. सीता, पति का नाम एम. चितंबरम, निवासी नील केन्द्र गांव, शहीद द्वीप, श्री विजय पुरम तहसील दक्षिण अण्डमान जिला सत्यनिष्ठा से पुष्टि करती हूँ और निम्नानुसार घोषणा करती हूँ कि :

1. मै इन द्वीपों की स्थायी निवासी हूँ और उपर्युक्त पते पर रह रही हूँ।
2. मेरा वास्तविक और सही नाम 'सी. सीता' है और 'सी' का अर्थ 'चितंबरम' है, मेरे पिता का वास्तविक और सही नाम 'पिचाई' है जैसा कि मेरे पैन कार्ड संख्या AWAPS7523G और आधार कार्ड संख्या 7162 2212 7799 में दर्ज है।
3. मेरे पासपोर्ट संख्या M5648409 में मेरा नाम गलती से 'सीता चितंबरम' के बजाय 'सिता चितंबरम' दर्ज है, जबकि मेरा सही नाम 'सीता चितंबरम' है।
4. मेरे पासपोर्ट में मेरे पिता का नाम उनके सही नाम 'पिचाई' के बजाय 'करपुनन पिचाई' दर्ज है।
5. 'सीता चितंबरम' और 'सिता चितंबरम' दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं और ये नाम मेरे है।
6. 'पिचाई' और 'करपुनन पिचाई' दोनों नाम एक ही व्यक्ति से संबंधित है और ये नाम मेरे दिवंगत पिता के हैं।
7. मैं शपथ पत्र दाखिल कर रही हूँ कि उपर्युक्त पासपोर्ट में मेरा सही नाम सीता चितंबरम और मेरे पिता का नाम पिचाई दर्ज किया जाए।

उपरोक्त कथन मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है।

स्थान : श्री विजय पुरम — शपथकर्त्ता

A/230/2024-Estt.Sec-EDN_AN/1433 — I/311326/2026

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन
ANDAMAN AND NICOBAR ADMINISTRATION
शिक्षा निदेशालय
DIRECTORATE OF EDUCATION
Sri Vijaya Puram, dated the 02nd April, 2026.

SHOW CAUSE NOTICE

WHEREAS, it has been reported by the Principal, Govt. Girls Sr. Sec. School. Sri Vijaya Puram vide letter No. 70/GGSSS/Confidential/2024-25/351 Dt. 04/07/2025 that Smti. Ranu Mandal, GTT (Maths) attached Govt. Girls Sr. Sec. School, Sri Vijaya Puram has been unauthorized absence from 21/08/2024 to till date.

AND WHEREAS, it has been further reported that all sincere efforts have been taken to contact with you but all in vain, despite of publication of "Desertion Notice" in the Daily Telegrams on two different occasions i.e. 27/02/2025 and 28/02/2025, which you failed to acknowledge.

AND WHEREAS, as per available records,it is revealed that during your previous tenure at GSSS, Haddo, Sri Vijaya Puram you had also remained unauthorized leave for a total period of 834 days, fragmented in several occasions from the period between from 2018 and 2021.

AND WHEREAS, being a Govt. Servant, especially on teaching profession you are expected to exhibit atmost diligence and absolute commitment towards your duties, being service oriented in nature,and as "Teachers are regard as Nation builders," your conduct is in contravention with section 24 (1) (a) of the Right of Children to Free and Compulsory Education Act, 2009.

AND WHEREAS, you Smti. Ranu Mandal, GTT (Maths), means your vile behaviour and reluctant attitude has repeatedly exhibited your misconduct thus have proven to be unbecoming of Govt. Servant thereby contravening Rule 3(1)(i) & (iii) of CCS (Conduct) Rules, 1964.

NOW THEREFORE, in view of the above, you are hereby directed to report your duty immediately without fail and to explain with good and sufficient reasons as to why necessary action should not be taken against you by invoking FR 17A for the act of repeated misconduct i.e. for habitual unauthorized absence. Your explanations should reach to this Directorate within 15 days from the date of issue of this notice, duly supported with documentary evidence to substantiate your prolonged unauthorized absence from duty, failing which it would be presumed that you have nothing to say on your unpleasant conduct accordingly, your repeated misconduct shall be reported to the Competent Authority for initiating Disciplinary action against youunder the relevant provisions as provided under the CCS (CCA) Rules, 1965.

Director of Education

To
Smti. Ranu Mandal, GTT (Maths),
(Through Principal, Govt. Girls SSS, Sri Vijaya Puram.).

रेगिस्तान में दिखी 'ब्रह्मास्त्र' की ताकत

जोधपुर, 10 अप्रैल।

भारतीय सेना ने पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में अपने अत्याधुनिक अटैक हेलीकॉप्टरों के साथ युद्धाभ्यास का प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन 'ब्रह्मास्त्र युद्धाभ्यास' के तहत आयोजित किया गया, जहां आसमान से बरसती फायरपावर ने सेना की तकनीकी श्रेष्ठता और मारक क्षमता को जीवंत रूप से सामने रखा। इसमें अमेरिका की सबसे एडवांस्ड हेलफायर मिसाइलों के धमाके भी हुए। दावा है कि इन्हीं मिसाइलों का पिछले साल ईरान पर हमले में इस्तेमाल किया गया था। हेलफायर के अलावा राजस्थान के आसमान से अपाचे हेलिकॉप्टर ने भी अचूक निशान लगाए। कमांड सेंटर से दुश्मनों के ड्रोन्स को भी ब्लास्ट किया गया। इस युद्धाभ्यास ने मॉडर्न वॉर प्लांड को टेस्ट किया। सेना के अधिकारियों का कहना है कि आर्मी में नए हेलिकॉप्टर्स की एंट्री से ऐतिहासिक बदलाव हुआ है। युद्धाभ्यास में अमेरिका में बनीं एजीएम–114 हेलफायर मिसाइलों का भी इस्तेमाल हुआ। इनसे आठ किलोमीटर दूर एक टैंक सहित दूसरे निशाने उड़ाए गए। इसके बाद हेलिकॉप्टर ने नीचे आकर 70 एमएम हाइड्रा रॉकेटों से हमला किए, जिससे दुश्मन के कैंप नष्ट हुए। अंत में हेलिकॉप्टर के नीचे लगी एम230 चेन गन से 1200 राउंड प्रति मिनट की रफ्तार से फायरिंग कर छोटे लक्ष्यों को भी निशाना बनाया गया।

रोजगार सृजन के लिए भारत का सहकारिता मॉडल है सबसे अहम– विश्व बैंक के अध्यक्ष

नई दिल्ली, 10 अप्रैल।

विश्व बैंक के अध्यक्ष श्री अजय बंगा ने भारत के सहकारिता क्षेत्र (को–ऑपरेटिव सेक्टर) को वैश्विक स्तर पर विकास का एक बेहतरीन मॉडल बताया है। उन्होंने कहा कि रोजगार सृजन को दुनिया भर की विकास रणनीतियों का मुख्य केंद्र होना चाहिए। वर्ल्ड बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की सालाना स्प्रिंग मीटिंग से पहले अटलांटिक काउंसिल में बोलते हुए, बंगा ने कहा कि विकास की कोशिशों को अलग–अलग प्रोजेक्ट्स से हटाकर रोजगार और आर्थिक मौके पर केंद्रित बड़े नतीजों पर ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने कहा, "विकास कोई चैरिटी नहीं है। यह एक रणनीति है। वृद्धि और स्थिरता बनाए रखने के लिए नौकरियां बनाना जरूरी है।" अजय बंगा ने एक बड़ी डेमोग्राफिक चुनौती पर जोर दिया और कहा, "अगले 15 सालों में 1.2 बिलियन युवाओं के काम करने की उम्र तक पहुंचने की उम्मीद है, जबकि बहुत कम नौकरियां बनने की संभावना है। अगर इन युवाओं को रोजगार के अवसर नहीं मिलते हैं, तो यह समझना जरूरी है कि नौकरी ही व्यक्ति को सम्मान और उम्मीद देती है।"

बंगा ने जॉब क्रिएशन को बढ़ावा देने के लिए तीन–पार्ट का फ्रेमवर्क बताया, जो इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, बिजनेस–फ्रेंडली गवर्नेंस रिफॉर्म्स और कैटेलिटिक फाइनेंस तक पहुंच पर आधारित है। उन्होंने बताया कि पहला स्तंभ भौतिक और मानव संसाधन ढांचे पर केंद्रित है, जिसमें सड़क, ऊर्जा, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं शामिल हैं। दूसरा स्तंभ उन सुधारों पर जोर देता है, जो छोटे से बड़े सभी व्यवसायों को संचालित करने और विस्तार करने में मदद करते हैं। तीसरा स्तंभ निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए ब्लेंडेड कैपिटल और बीमा तंत्र जैसे वित्तीय साधनों पर ध्यान देता है। इसके साथ ही, उन्होंने रोजगार सृजन के लिए पांच प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की: इंफ्रास्ट्रक्चर, कृषि, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं, मूल्य–वर्धित विनिर्माण और पर्यटन।

बंगा ने भारत के डेयरी को– ऑपरेटिव मॉडल को एक सफल उदाहरण बताया कि कैसे तकनीक और संगठन गांव की रोजी–रोटी को बदल सकते हैं। उन्होंने कहा, "मैं भारत में पला–बढ़ा हूं। डेयरी सेक्टर जैसे को–ऑपरेटिव स्ट्रक्चर ने छोटे प्रोड्यूसर को बेहतर मार्केट और प्राइसिंग तक पहुंचने में मदद की।" उन्होंने चेतावनी दी कि रोजगार के काफी मौके न बनाने के दूरगामी नतीजे हो सकते हैं, जिसमें माइग्रेशन का बढ़ता दबाव और सामाजिक अस्थिरता शामिल है।

क्यों ओडिशा का कटक बना भारत का 'सिल्वर सिटी', जहां चांदी की महीन तारों में बसती है सदियों पुरानी विरासत

नई दिल्ली, 10 अप्रैल।

भारत में कई शहर अपने अनोखे नामों से पहचाने जाते हैं, लेकिन कुछ शहर ऐसे भी होते हैं जिनका नाम सुनते ही एक पूरी कहानी सामने आ जाती है. ऐसा ही एक शहर है ओडिशा का कटक, जिसे 'सिल्वर सिटी' कहा जाता है. ये नाम सिर्फ एक टैग नहीं, बल्कि सदियों की मेहनत, कला और परंपरा का नतीजा है. कटक ने अपनी पहचान चांदी की बारीक कारीगरी यानी फिलिग्री वर्क के जरिए बनाई है. यहां की 'तारकासी' कला इतनी खास है कि इसे देखने वाला हर कोई इसकी खूबसूरती में खो जाता है. यही वजह है कि ये शहर देश ही नहीं, बल्कि दुनिया में भी अपनी अलग चमक रखता है.

कटक में चांदी का काम कोई नया चलन नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चला आ रहा एक अनमोल हुनर है. यहां के कारीगर बेहद पतली चांदी की तारों को मोड़कर ऐसे डिजाइन बनाते हैं जो देखने में बेहद नाजुक और खूबसूरत होते हैं. इनसे गहने, सजावटी सामान और शोपीस तैयार किए जाते हैं. हर एक चीज हाथ से बनती है, जिसमें समय, धैर्य और सटीकता की जरूरत होती है. यही मेहनत इस कला को खास बनाती है.

समय के साथ कटक की ये कला सिर्फ स्थानीय बाजार तक सीमित नहीं रही. आज देश के अलग–अलग हिस्सों के साथ–साथ विदेशों में भी इसकी अच्छी खासी मांग है. यही वजह है कि कटक को 'सिल्वर सिटी' के नाम से जाना जाने लगा. यहां के बाजार, खासकर नयासड़क जैसे इलाके, चांदी की शानदार कारीगरी के लिए मशहूर हैं और पर्यटकों को अपनी ओर खींचते हैं.

कटक सिर्फ अपनी कला के लिए ही नहीं, बल्कि अपने इतिहास और खास लोकेशन के लिए भी जाना जाता है. ये शहर महानदी और काठजोड़ी नदियों के बीच बसा हुआ है, जो इसे एक अलग पहचान देता है. 1000 साल से भी ज्यादा पुराना ये शहर कभी ओडिशा की राजधानी रहा है. यही ऐतिहासिक गहराई इसे और खास बनाती है.

आज के दौर में कटक तेजी से बदल रहा है और आधुनिकता की ओर बढ़ रहा है. लेकिन खास बात ये है कि ये शहर अपनी जड़ों से जुड़ा हुआ है. यहां की सिल्वर फिलिग्री इंडस्ट्री आज भी लोगों की पहचान और रोजगार का अहम हिस्सा बनी हुई है. कटक ये साबित करता है कि पुरानी परंपराएं और नई सोच एक साथ आगे बढ़ सकती हैं.

इतिहास के पन्नों में 11 अप्रैल : सामाजिक बदलाव के अग्रदूत और शिक्षा के प्रणेता महात्मा ज्योतिराव फुले

नई दिल्ली, 10 अप्रैल।

19वीं सदी के महान समाज सुधारक ज्योतिराव गोविंदराव फुले ने भारतीय समाज में समानता, शिक्षा और सामाजिक न्याय की अलख जगाने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। 11 अप्रैल 1827 को महाराष्ट्र के सतारा में जन्मे फुले, जिन्हें महात्मा फुले और ज्योतिबा फुले के नाम से भी जाना जाता है, ने अपने जीवन को समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया।

उस दौर में जब महिलाओं और दलितों को शिक्षा से दूर रखा जाता था, फुले ने इस कुरीति को चुनौती दी। उन्होंने स्त्रियों को शिक्षा का अधिकार दिलाने के लिए संघर्ष किया और पत्नी सावित्रीबाई फुले के साथ मिलकर देश के पहले बालिका विद्यालयों में से एक की स्थापना की। यह कदम उस समय एक क्रांतिकारी पहल माना गया।

फुले ने बाल विवाह, जातिगत भेदभाव और सामाजिक असमानताओं के खिलाफ भी जोरदार आवाज उठाई। उन्होंने समाज में व्याप्त रूढ़िवादी परंपराओं को तोड़ने और समानता आधारित व्यवस्था स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयास किए।

उनका मानना था कि शिक्षा ही वह माध्यम है, जिससे समाज में बदलाव लाया जा सकता है। इसी सोच के तहत उन्होंने पिछड़े और वंचित वर्गों के लिए शिक्षा के द्वार खोले और सामाजिक जागरूकता फैलाने का कार्य किया।

महात्मा फुले का जीवन और विचार आज भी समाज को दिशा देने का काम करते हैं। उन्होंने जो बीज बोए, उसी का परिणाम है कि आज भारत में शिक्षा और समानता के अधिकार को लेकर व्यापक जागरूकता देखने को मिलती है।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र–1919 – अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की स्थापना।
1921 – रेडियो पर खेलों की पहली लाइव कमेंट्री का प्रसारण किया गया।
1930 – ऋषिकेश में इस्पात की तारों से बना 124 मीटर का झूलने वाला पुल जनता के लिए खोला गया। इसे लक्ष्मण झूला का नाम दिया गया।
1964 – भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी दो हिस्सों में विभाजित।
1970 – अमेरिका का अपोलो 13 अंतरिक्ष यान चंद्र अभियान पर रवाना।

इंटरनेट इस्तेमाल में भारतीयों का नहीं मुकाबला! हर महीने 31जीबी डेटा उड़ा रहा हर यूजर

नई दिल्ली, 10 अप्रैल।

भारत में मोबाइल डेटा इस्तेमाल ने नया रिकॉर्ड बना दिया है. साल 2025 में एक यूजर का औसत मासिक डेटा उपयोग 31जीबी से ज्यादा पहुंच गया है. यह तेजी 5जी के विस्तार और एआई आधारित सेवाओं की बढ़ती मांग के कारण आई है. नोकिया की ताजा रिपोर्ट के अनुसार देश में डेटा की खपत तेजी से बढ़ रही है और आने वाले सालों में यह और बढ़ने वाली है. खास बात यह है कि 5जी अब कुल डेटा ट्रैफिक का लगभग आधा हिस्सा संभाल रहा है.

PTI (भाषा) की रिपोर्ट के अनुसार, नोकिया की मोबाइल ब्रॉडबैंड इंडेक्स रिपोर्ट के मुताबिक 2025 में भारत में 5जी डेटा ट्रैफिक में साल दर साल 70 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है और यह 12.9 एक्साबाइट प्रति महीने तक पहुंच गया है. अब कुल मोबाइल ब्रॉडबैंड ट्रैफिक में 5जी की हिस्सेदारी करीब 47 प्रतिशत हो चुकी है. यह दिखाता है कि यूजर्स तेजी से नई टेक्नोलॉजी अपना रहे हैं और हाई स्पीड इंटरनेट का इस्तेमाल बढ़ रहा है. खासकर एआई एप्लिकेशन, 4K वीडियो स्ट्रीमिंग और क्लाउड गेमिंग जैसी सेवाएं डेटा की खपत को तेजी से बढ़ा रही हैं. पिछले पांच सालों में डेटा उपयोग में करीब 18 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की गई है, जो इस बदलाव को और मजबूत बनाती है.

रिपोर्ट के अनुसार, भारत अब दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा 5जी सब्सक्राइबर बेस वाला देश बन चुका है. इसके साथ ही 5जी डेटा खपत और फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस यूजर्स के मामले में भी भारत दूसरे स्थान पर है. कुल डेटा ट्रैफिक 2025 में 27 एक्साबाइट प्रति महीने को पार कर गया है, जिसमें पिछले पांच सालों में 21.7 प्रतिशत की सालाना वृद्धि देखी गई है. मेट्रो शहरों में 5जी का प्रभाव सबसे ज्यादा है, जहां कुल डेटा ट्रैफिक में इसका हिस्सा 58 प्रतिशत तक पहुंच गया है. यह साफ संकेत है कि बड़े शहरों में डिजिटल कनेक्टिविटी तेजी से बदल रही है और यूजर्स नए डिजिटल अनुभव को अपना रहे हैं.

भारत में 5जी की तेजी से बढ़ती पहुंच के पीछे सस्ते स्मार्टफोन एक बड़ी वजह बने हैं. रिपोर्ट बताती है कि 2025 में 892 मिलियन 4G डिवाइस एक्टिव हैं, जिनमें से 383 मिलियन डिवाइस 5जी सपोर्ट करते हैं. खास बात यह है कि 100 डॉलर से कम कीमत वाले 5जी फोन की शिपमेंट में एक साल में 10 गुना बढ़ोतरी हुई है. यही कारण है कि साल के दौरान बिकने वाले 90 प्रतिशत से ज्यादा स्मार्टफोन 5जी सपोर्ट के साथ आए. इसके अलावा 5जी फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस भी तेजी से बढ़ रहा है, जो कुल 5जी डेटा ट्रैफिक का 25 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा बन चुका है. आने वाले समय में 2031 तक भारत में 5जी यूजर्स की संख्या 1 अरब से ज्यादा होने का अनुमान है, जो देश को डिजिटल दुनिया में और मजबूत बनाएगा.

मोबाइल यूजर्स सावधान! Android God Mode मैलवेयर से बैंक अकाउंट खाली होने का है खतरा, सरकार ने किया अलर्ट

नई दिल्ली, 10 अप्रैल।

देशभर के करोड़ों मोबाइल यूजर्स के लिए गृह मंत्रालय ने एक बड़ी चेतावनी जारी की है. एंड्रॉयड फोन इस्तेमाल करने वाले लोग खास तौर पर इस खतरे की जद में हैं. एंड्रॉयड गॉड मोड नाम का एक खतरनाक मैलवेयर तेजी से फैल रहा है. यह मैलवेयर फर्जी ऐप के जरिए यूजर्स की निजी और बैंकिंग जानकारी चुरा सकता है. सरकार ने साफ कहा है कि जरा सी लापरवाही आपके बैंक अकाउंट को खाली कर सकती है.

इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर के तहत काम करने वाली एनसीटीएयू यूनिट ने इस मैलवेयर का पता लगाया है. जांच में सामने आया कि यह मैलवेयर बैंकिंग और सरकारी सेवाओं के नाम पर नकली ऐप बनाकर लोगों को फंसाता है. ये फर्जी ऐप एसबीआई योनो, आरटीओ चालान, डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट और कस्टमर सपोर्ट जैसी सेवाओं का रूप लेकर सामने आते हैं. आम यूजर इन्हें असली समझकर डाउनलोड कर लेता है. जैसे ही ये ऐप फोन में इंस्टॉल होते हैं, यह धीरे धीरे यूजर की जानकारी तक पहुंच बनाना शुरू कर देते हैं. यही से साइबर ठगी का खेल शुरू होता है.

गृह मंत्रालय की एडवाइजरी में बताया गया है कि यह मैलवेयर एक्सेसिबिलिटी परमिशन का गलत फायदा उठाता है. यह परमिशन मिलने के बाद ऐप फोन के लगभग हर फंक्शन तक पहुंच हासिल कर लेता है. इसकी मदद से हैकर यूजर की स्क्रीन देख सकता है, पासवर्ड पढ़ सकता है और बैंकिंग डिटेल्स तक पहुंच सकता है. कई बार यूजर को इसकी भनक तक नहीं लगती. यही वजह है कि इसे बेहद खतरनाक माना जा रहा है, क्योंकि यह बिना जानकारी के पूरी डिवाइस को कंट्रोल कर सकता है.

सरकार ने यूजर्स को सलाह दी है कि वे केवल गूगल प्ले स्टोर या भरोसेमंद प्लेटफॉर्म से ही ऐप डाउनलोड करें. किसी अनजान ऐप को एक्सेसिबिलिटी परमिशन देने से बचें. वॉट्सऐप या अन्य प्लेटफॉर्म पर आने वाले लिंक और एपीके फाइल से खास सावधान रहने को कहा गया है. अगर कोई ऐप संदिग्ध लगे तो उसे तुरंत डिलीट करें और उसकी परमिशन चेक करें. अगर कोई साइबर फ्रॉड का शिकार होता है, तो वह 1930 हेल्पलाइन नंबर पर कॉल कर सकता है या cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कर सकता है. सरकार ने लोगों से सतर्क रहने और जागरूकता बढ़ाने की अपील की है.

गगनयान मिशन 2027 में होगा लॉन्च, केंद्रीय मंत्री ने इसरो को आईएडीटी–02 के सफल समापन पर दी बधाई

नई दिल्ली, 10 अप्रैल।

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (आईएसआरओ) को भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान के दूसरे एकीकृत वायु अपवाह परीक्षण (आईएडीटी–02) के सफल समापन पर बधाई दी। गगनयान मिशन 2027 में लॉन्च होने वाला है। उन्होंने इस उपलब्धि को महत्वाकांक्षी मिशन की तैयारियों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया।

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सिंह ने लिखा, "भारत की पहली मानव अंतरिक्ष उड़ान, गगनयान के लिए दूसरे एकीकृत वायु निकासी परीक्षण के सफल समापन के लिए इसरो को बधाई, जो अगले साल निर्धारित है।" उन्होंने आगे कहा, "सतीश धवन अंतरिक्ष स्टेशन, श्रीहरिकोटा में दूसरा एकीकृत वायु निक्षेप परीक्षण (आईएडीटी–02) सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह गगनयान मिशन की तैयारियों की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।"

भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन 2027 में श्रीहरिकोटा से लॉन्च किया जाएगा। तकनीकी जटिलता के कारण मिशन में कई बार देरी हुई है, लेकिन भारत स्वदेशी रूप से इसकी क्षमता विकसित कर रहा है। गौरतलब है कि अंतरिक्ष मिशन से जुड़ी ऐसी महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियां गोपनीय रखी जाती हैं और कोई भी देश इन्हें साझा नहीं करता है। सरकार ने गगनयान कार्यक्रम के लिए लगभग 10,000 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। यह मिशन अब अपने अंतिम चरण में है और पहली मानवयुक्त उड़ान 2027 की पहली तिमाही में होने की उम्मीद है।

इससे पहले, 8 अप्रैल को, इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने कहा था कि मानवरहित गगनयान मिशन की सभी तैयारियां सुचारू रूप से चल रही हैं। स्मार्ट स्पेसक्राफ्ट मिशन ऑपरेशंस पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में बोलते हुए उन्होंने कहा, "हम पहले मानवरहित गगनयान मिशन से ठीक पहले मिल रहे हैं। यह कोई साधारण मिशन नहीं, बल्कि भारत के लिए एक महत्वपूर्ण मिशन है। अंतिम मानवयुक्त प्रक्षेपण से पहले तीन मानवरहित मिशन होंगे। पहले मिशन की सभी गतिविधियां अच्छी तरह से आगे बढ़ रही हैं, हालांकि चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं।"

इस सम्मेलन में आईएसआरओ के पूर्व प्रमुख ए.एस. किरण कुमार और एस. सोमनाथ के साथ–साथ आईएसआरओ केंद्र के निदेशक, छात्र और अंतरिक्ष स्टार्टअप के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। इस बीच, भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान की तैयारियों में 4 अप्रैल को और प्रगति हुई, जब चयनित चार अंतरिक्ष यात्रियों ने लद्दाख में "मिशन मित्रा" के तहत उच्च ऊंचाई वाला प्रयोग शुरू किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य चरम वातावरण में मानव प्रदर्शन का मूल्यांकन करना है।

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और पी. बालकृष्णन नायर समेत अंतरिक्ष यात्री अनुकूलन के लिए इस सप्ताह की शुरुआत में लेह पहुंचे। इस मिशन को वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, चिकित्सा विशेषज्ञों और मनोवैज्ञानिकों की एक बहुविषयक टीम का समर्थन प्राप्त है, जो मानव अंतरिक्ष अन्वेषण की दिशा में भारत की यात्रा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

मानवाधिकारों पर 12वीं लघु फिल्म प्रतियोगिता के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने अपनी 12वीं वार्षिक लघु फिल्म प्रतियोगिता के लिए भारतीय नागरिकों से विभिन्न सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक अधिकारों पर आधारित फिल्मों के लिए आवेदन मांगे हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने की अंतिम तिथि 30 जून 2026 निर्धारित की गई है।

आयोग के मुताबिक लघु फिल्में अंग्रेजी या किसी भी भारतीय भाषा में हो सकती हैं जिनमें अंग्रेजी उपशीर्षक हों। लघु फिल्म की अवधि न्यूनतम 3 मिनट और अधिकतम 10 मिनट होनी चाहिए। ये फिल्में वृत्तचित्र, वास्तविक कहानियों का नाट्य रूपांतरण या किसी भी तकनीकी प्रारूप में बनी काल्पनिक रचना हो सकती हैं, जिनमें एनीमेशन भी शामिल है। ये फिल्में विभिन्न सामाजिक–आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक अधिकारों के दायरे में आनी चाहिए और कई विषयों पर आधारित होनी चाहिए। इनमें जीवन, स्वतंत्रता, समानता तथा गरिमा का अधिकार, बंधुआ मजदूरी और बाल श्रम, महिलाओं तथा बच्चों के अधिकारों से संबंधित विशिष्ट मुद्दों को शामिल करना, बुजुर्ग व्यक्तियों के अधिकार और चुनौतियां, मानव तस्करी, घरेलू हिंसा, शिक्षा का अधिकार, स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार और एलजीबीटीक्यूआई+ के अधिकार शामिल है। सभी आयु वर्ग के भारतीय नागरिक इसमें भाग ले सकते हैं। प्रविष्टियों की संख्या पर कोई सीमा नहीं है और कोई प्रवेश शुल्क भी नहीं है। विजेता फिल्मों को आयोग द्वारा आकर्षक पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। इच्छुक प्रतिभागी अपना आवेदन पत्र और फिल्म गूगल ड्राइव के माध्यम से एनएचआरसीशॉर्टफिल्म/जीमेलडॉटकॉम पर भेज सकते हैं।

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत ने 16 पदकों के साथ अभियान समाप्त किया

नई दिल्ली, 10 अप्रैल।

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारतीय मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 16 पदक अपने नाम किए। पुरुषों के 50 किलोग्राम वर्ग में विश्वनाथ सुरेश ने जापान के दाइची इवाई को 5–0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस संस्करण में स्वर्ण जीतने वाले एकमात्र भारतीय पुरुष मुक्केबाज बने।

भारत पदक तालिका में पांच स्वर्ण पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि कजाखस्तान एक स्वर्ण अधिक के साथ शीर्ष पर रहा। हालांकि, कुल पदकों के मामले में भारत सबसे आगे रहा।

पुरुषों के 60 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में सचिन सिवाच को कजाखस्तान के मौजूदा विश्व चैंपियन ओराज़बेक असिलकुलोव से 2–3 से हार का सामना करना पड़ा और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इसके अलावा हर्ष चौधरी (90 किग्रा), आकाश (75 किग्रा), लोकेश (85 किग्रा) और नरेंद्र (+90 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते।

महिला वर्ग में भारत की सभी 10 मुक्केबाजों ने पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। मीनाक्षी हुड्डा (48 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा), प्रिया घंघास (60 किग्रा) और अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) ने स्वर्ण पदक अपने नाम किए। जैस्मीन लांबोरिया (57 किग्रा) और अल्फिया पठान (+80 किग्रा) ने रजत पदक जीते, जबकि निकहत जरीन (51 किग्रा), अंकुशिता बोरो (65 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) और पूजा रानी (80 किग्रा) ने कांस्य पदक हासिल किए।

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने टीम के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि यह अभियान भारतीय मुक्केबाजी के लिए बेहद शानदार रहा, खासकर महिला मुक्केबाजों ने चार स्वर्ण पदक जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने युवा प्रतिभाओं की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रदर्शन भविष्य के लिए बेहद सकारात्मक संकेत है।

गर्मियों में भी फूलों से लदा रहेगा गुलाब का पौधा, बस अप्रैल के महीने में कर लें ये तीन काम

नई दिल्ली, 10 अप्रैल।

गुलाब का पौधा देखने में काफी खूबसूरत लगता है। इसके लाल–गुलाबी फूल और उनकी खुशबू हर किसी को खूब पसंद आती है। लेकिन पौधे को फूलों से लदा हुआ रखने के लिए सही देखभाल जरूरी है।

अक्सर लोग शिकायत करते हैं कि सर्दियों में तो गुलाब खूब खिले, लेकिन गर्मी शुरू होते ही फूल छोटे होने लगे या पौधे ने फूल देना बंद कर दिया। अगर आप भी इस समस्या से जूझ रहे हैं, तो घबराइए मत। बस ये तीन आसान उपाय अपनाएं और देखिए कैसे आपका बगीचा अप्रैल की चिलचिलाती धूप में भी गुलाबों की खुशबू से महक उठता है।

गुलाब के पौधे में फूल पाने का सबसे पहला नियम है पुरानी और सूखी चीजों को हटाना।

जो फूल खिलकर मुरझा चुके हैं, उन्हें पौधे पर न रहने दें। मुरझाए हुए फूल पौधे की एनर्जी सोखते रहते हैं और बीज बनाने की प्रक्रिया शुरू कर देते हैं। जैसे ही फूल सूखने लगे, उसे टहनी के थोड़े नीचे से काट दें।

पौधे के नीचे गिरी हुई सूखी पत्तियों को हटा दें। हल्की प्रूनिंग करने से पौधे के भीतर हवा और धूप का संचार बेहतर होता है, जिससे नई शाखाएं निकलती हैं।

अप्रैल की गर्मी में पौधे को ज्यादा पोषण की जरूरत होती है। इस समय केमिकल फर्टिलाइजर के बजाय ऑर्गेनिक खाद पर जोर दें–

गुलाब के लिए पोटेशियम बहुत जरूरी है। सूखे हुए केले के छिलकों का पाउडर या इस्तेमाल की हुई चाय पत्ती मिट्टी में मिलाएं। यह मिट्टी का pH बैलेंस बनाए रखता है, जो गुलाब के लिए काफी फायदेमंद है।

महीने में एक बार दो मुट्ठी अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद डालें। यह नाइट्रोजन का अच्छा सोर्स है, जो पत्तियों को हरा–भरा रखने और जड़ों को मजबूती देने में मदद करता है।

अप्रैल की धूप मिट्टी की नमी को बहुत जल्दी सोख लेती है। गुलाब की जड़ों को ठंडक और नमी की जरूरत होती है– मल्चिंग– यह सबसे जरूरी उपाय है। पौधे की मिट्टी के ऊपर सूखी घास, गन्ने की खोई या लकड़ी के बुरादे की एक परत बिछा दें। इसे मल्चिंग कहते हैं। यह नमी को उड़ने से रोकता है और सीधी धूप से जड़ों को बचाता है।

हमेशा सुबह सूरज निकलने से पहले या शाम को सूरज ढलने के बाद ही पानी दें। याद रखें, गमले की ऊपरी मिट्टी सूखने पर ही पानी दें, लेकिन मिट्टी को पूरी तरह पत्थर जैसा न होने दें। साथ ही, सीधा मिट्टी में पानी दें, पौधे के ऊपर से नहीं। ऐसा करने से फंगस और बीमारियों का खतरा कम होता है।

हालांकि गुलाब को धूप पसंद है, लेकिन अप्रैल की दोपह की तीखी धूप फूलों को झुलसा सकती है। अगर हो सके, तो अपने पौधों को ऐसी जगह रखें जहां उन्हें सुबह की 5–6 घंटे की अच्छी धूप मिले और दोपहर में थोड़ी छाया रहे।

ज्ञान को धन में परिवर्तित करने को तकनीक के साथ कुशल कार्यबल, अनुसंधान भी जरूरी–केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री

नई दिल्ली, 10 अप्रैल।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि ज्ञान को धन में परिवर्तित के लिए नवाचार, विज्ञान तथा तकनीक के साथ–साथ कुशल कार्यबल और निरंतर अनुसंधान पर जोर देना आवश्यक है। भ्ह गडकरी ने निर्माण उद्योग विकास परिषद की ओर से यहां आयोजित 17वें सीआईडीसी विश्वकर्मा पुरस्कार और प्रदर्शनी 'विकसित भारत 2047' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा ,"वैश्विक स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए निर्माण क्षेत्र में गुणवत्ता से समझौता न करना और शॉर्टकट से बचना जरूरी है।"

उन्होंने कहा कि अवसंरचना को बेहतर बनाने के लिए यह जरूरी है कि तत्काल निर्णय लिए जाएं, परियोजना योजना अच्छी हो और काम की गुणवत्ता पर पूरा ध्यान दिया जाए। इसके अलावा अगर हम नई तकनीक अपनाएं और काम करने के तरीके को सुधारें तो परियोजनाओं की लागत काफी कम हो सकती है। इसके लिए बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए भूमि अधिग्रहण और जरूरी मंजूरियों को पहले ही निपटाया जाए क्योंकि पहले की देरी और प्रशासनिक बाधाओं ने प्रोजेक्ट की समयसीमा और ठेकेदारों के बजट को काफी नुकसान पहुंचाया है।

उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट में केवल कम लागत ही नहीं बल्कि गुणवत्ता और प्रदर्शन को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए। हमें जैव ईंधन और अन्य वैकल्पिक ईंधनों को अपनाना चाहिए। इससे न केवल पेट्रोल–डीजल पर हमारी निर्भरता कम होगी बल्कि खर्च भी घटेगा। साथ ही सड़क बनाने में प्लास्टिक कचरे और पुराने टायरों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि भारतीय अवसंरचना कंपनियों ने दुबई, कतर और कई अफ्रीकी देशों में प्रमुख परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा करके वैश्विक स्तर पर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है।

श्री गडकरी ने समारोह में विजेताओं को 17वें सीआईडीसी विश्वकर्मा पुरस्कार प्रदान किए और निर्माण एवं अवसंरचना क्षेत्र में गुणवत्ता एवं नवाचार में उनके योगदान के लिए उन्हें बधाई दी।

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री ने आयातित इलेक्ट्रिक स्टोव की दिखाई एक झलक

नई दिल्ली, 10 अप्रैल।

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शुक्रवार को एक ऐसी उन्नत तकनीक वाले आयातित इलेक्ट्रिक स्टोव के बारे में जानकारी दी जो बिजली का उपयोग करके लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की तरह आग की लपटें पैदा करता है।

जोशी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि गुरुवार को एक भारतीय कंपनी ने एक आयातित स्टोव का प्रदर्शन किया, जो बिजली का उपयोग करके एलपीजी जैसी लौ उत्पन्न करता है। यह तकनीक वास्तव में बेहद प्रभावशाली और नवाचारी लगी। मैं चाहूंगा कि भारतीय निर्माता इस तकनीक को अपनाकर देश में बड़े पैमाने पर इसका उत्पादन करें। जब इसे पीएम सूर्य घर जैसी योजनाओं के साथ जोड़ा जाएगा, जो सौर ऊर्जा के माध्यम से बिजली उत्पादन को बढ़ावा देती हैं, तो यह एलपीजी पर निर्भरता कम करने में एक गेम चेंजर साबित हो सकता है।

होम्योपैथिक दवाइयां जीभ पर क्यों रखी जाती है, क्या है इसके कारण, क्या कहता है मेडिकल साइंस

नई दिल्ली, 10 अप्रैल।

होम्योपैथिक चिकित्सा का सिद्धांत शरीर को खुद सही करने पर जोर देता है. होम्योपैथिक चिकित्सा में पौधे और खनिज पदार्थो जैसी कुदरती चीजों का इस्तेमाल किया जाता है. इन चीजों से बहुत छोटे–छोटे पार्टिकल में दवाई तैयार की जाती है. ये चीनी के दाने से थोड़ा ज्यादा बड़ी होती हैं. इन दवाइयों को जीभ पर रखकर चूसा जाता है. लेकिन क्या आपको पता है कि होम्योपैथिक दवाओं को सिर्फ जीभ पर रखकर ही क्यों चूसा जाता है. दरअसल, होम्योपैथिक के विशेषज्ञ इसके पीछे विज्ञान के तर्क को आधार बताते हैं. उनके अनुसार होम्योपैथिक दवाइयों का सीधा असर तंत्रिका तंत्र पर होता है जो जीभ के रास्ते ही तंत्रिका तंत्र को सक्रिय करता है.

होम्योपैथिक डॉक्टर रितु राय बताती हैं कि होम्योपैथिक दवाएं सीधे हमारे नर्वस सिस्टम को उत्तेजित करने के लिए बनी है. चूंकि जीभ से पूरा नर्वस सिस्टम जुड़ा हुआ है, इसलिए हम इन दवाइयों को जीभ पर रखते हैं. अगर हम इसे जीभ पर नहीं रखेंगे तो यह सही से काम नहीं करेगी. जीभ पर रखने से दवाई का असर पूरे नर्वस सिस्टम पर एक साथ हो जाता है. जीभ से दवाई नर्वस सिस्टम में जब तक न घुसे या दवाई के साथ कुछ और चीजों का असर न हो, तब तक किसी और चीज को लेने की मनाही है. इसलिए होम्योपैथिक दवाइयों के खाने से आधे घंटा पहले और आधा घंटे बाद में कुछ भी खाने–पीने की अनुमति नहीं होती.

होम्योपैथिक दवाइयों का एक्शन मुंह से शुरू होती है. जीभ में सबसे ज्यादा नर्व के सेल्स जुड़े होते हैं. इसलिए होम्योपैथिक के डॉक्टर दवाइयों को जीभ पर रखकर चूसकर खाने के लिए कहते हैं ताकि पूरे जीभ पर दवाइयों का रसायन फैल जाए और प्रत्येक नर्व सेल्स के अंदर घुस जाए. डॉ प्रांजली कहती हैं, जहां–जहां शरीर में समस्या हैं, उन अंगों के पास यहीं से नर्व के माध्यम से दवाई पहुंचती हैं. हालांकि कुछ लीक्विड फॉर्म वाली होम्योपैथिक दवाइयों को जीभ से नहीं ली जाती है. इसे पानी के साथ ली जाती है. होम्योपैथिक की दवाई पर जीभ पर रखी जाती है तब दवाई में मौजूद रसायन जीभ के नीचे म्यूकस मैंब्रेन के संपर्क में आता है. यह रसायन संयोजी उत्तक तक फैल जाता है. इसके नीचे इपीथेलियम सेल्स होते हैं जिनमें असंख्य नलिकाएं होती है. दवाई में मौजूद रसायन इन्ही नलिकाओं के माध्यम से रक्त परिसंचरण तंत्र में पहुंच जाता है. होम्योपैथिक दवाइयों का मकसद रसायन को सीधे प्रभावित अंगों तक पहुंचाना होता है.

जब किसी अंग्रेजी दवाई को हम खाते हैं तो यह पहले आंत में जाती है. यहां ब्लड सर्कुलेशन में आने से पहले यह लिवर के संपर्क में होती है. इसमें समय भी लगता है और अन्य अंग भी प्रभावित होता है. लेकिन होम्योपैथिक दवाई सीधे ब्लड सर्कुलेशन में पहुंचती है. इसलिए तेज गति से प्रभावित अंगों तक पहुंचती है. अन्य दवाइयों के विपरीत यह सिर्फ सलेवरी एंजाइम के संपर्क में आती है. इसलिए इसका अन्य अंगों पर साइड इफेक्ट नहीं होता.

लिवर में इंफेक्शन होने पर शरीर में दिखते हैं ये लक्षण, न करें नजरअंदाज

नई दिल्ली, 10 अप्रैल।

लिवर हमारे शरीर का एक बेहद जरूरी अंग है, जो खून को साफ करने, भोजन को एनर्जी में बदलने, पित्त बनाने और शरीर से टॉक्सिक तत्व बाहर निकालने का काम करता है. यह पाचन तंत्र और मेटाबॉलिज्म को सही बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभाता है. जब वायरस, बैक्टीरिया या परजीवी लिवर पर हमला करते हैं, तो इंफेक्शन की स्थिति बन सकती है. हेपेटाइटिस वायरस, दूषित भोजन या पानी, अत्यधिक शराब का सेवन, कुछ दवाइयों का असर और कमजोर इम्यूनिटी इसके कारण हो सकते हैं.

जिन लोगों की इम्यूनिटी कमजोर है, जिन्हें पहले से लिवर की बीमारी है या जो असुरक्षित खून या सुई के संपर्क में आए हैं, उन्हें लिवर इंफेक्शन का ज्यादा खतरा हो सकता है. गलत खानपान और अस्वस्थ लाइफस्टाइल भी जोखिम बढ़ाते हैं. इसलिए लिवर की सेहत का ध्यान रखना बेहद जरूरी है.

लेडी हार्डिंग हॉस्पिटल में मेडिसिन विभाग में डायरेक्टर एचओडी डॉ. एल.एच. घोटेकर बताते हैं कि लिवर में इंफेक्शन होने पर शरीर में कई तरह के संकेत दिखाई दे सकते हैं. आम लक्षणों में तेज या हल्का बुखार, लगातार थकान, कमजोरी और भूख में कमी शामिल हैं. कुछ लोगों को पेट के दाहिने ऊपरी हिस्से में दर्द या भारीपन महसूस हो सकता है. त्वचा और आंखों का पीला पड़ना, जिसे पीलिया कहा जाता है, भी एक प्रमुख संकेत है.

पेशाब का रंग गहरा होना और मल का रंग हल्का होना भी लिवर संबंधी समस्या की ओर इशारा कर सकता है. मतली, उल्टी और शरीर में खुजली जैसी परेशानियां भी देखी जा सकती हैं. अगर लक्षण लंबे समय तक बने रहें या अचानक बढ़ जाएं, तो यह गंभीर स्थिति का संकेत हो सकता है. ऐसे संकेतों को नजरअंदाज करना ठीक नहीं है.

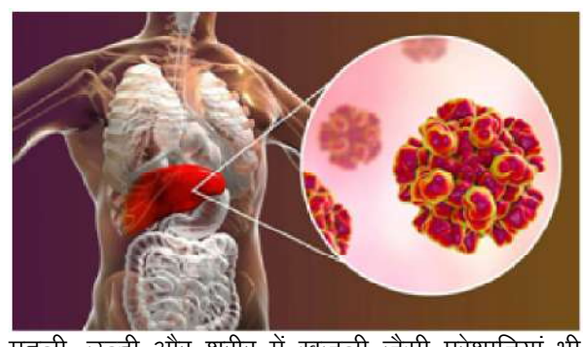

लिवर इंफेक्शन से बचाव के लिए साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखें. दूषित पानी और भोजन से बचें तथा हमेशा ताजा और स्वच्छ खाना खाएं. शराब का सेवन सीमित या बंद करें. हेपेटाइटिस ए और बी का टीकाकरण करवाना भी फायदेमंद है. किसी की इस्तेमाल की हुई सुई या रेजर का उपयोग न करें. संतुलित डाइट और नियमित व्यायाम से इम्यूनिटी मजबूत रखें.

अगर तेज बुखार, लगातार उल्टी, पेट में तेज दर्द, आंखों या त्वचा का पीला होना, या गहरे रंग का पेशाब जैसे लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर से मिलें. लंबे समय तक थकान या कमजोरी बनी रहने पर भी जांच कराना जरूरी है. समय पर इलाज से गंभीर जटिलताओं से बचा जा सकता है.